जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

14 जून, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने "स्मार्ट ग्रिड में ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों की भूमिका" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने 7-12 जून, 2021 से ऑनलाइन मोड में "स्मार्ट ग्रिड में ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों की भूमिका" पर एक सप्ताह के लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीटीपी) का आयोजन किया। एसटीटीपी भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा प्रायोजित था। ।

12 जून 2021 को एसटीटीपी समापन प्रतिभागियों के लिए मूल्यांकन परीक्षा के साथ का हुआ।

समापन समारोह में प्रतिभागियों, कार्यक्रम निगरानी समिति के सदस्यों के साथ-साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, जामिया के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता जामिया की कुलपति प्रो.नजमा अख्तर ने की, जबकि प्रो. केके अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष और गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति विशिष्ट अतिथि थे।

एसटीटीपी के समन्वयक प्रो. इकबाल अली ने स्वागत भाषण और एसटीटीपी का परिचय प्रस्तुत किया। संबोधन के दौरान, प्रो. इकबाल अली ने लगभग 2.0 करोड़ रुपये के डीएसटी एफआईएसटी परियोजना अनुदान का उपयोग करके विकसित किए गए स्मार्ट ग्रिड अनुसंधान बुनियादी ढांचे के बारे में बताया। उन्होंने कुलपति, प्रो. नजमा अख्तर की पहल और योगदान पर भी प्रकाश डाला, कि कैसे उन्होंने जामिया बिरादरी की भावनात्मक भलाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ कोविड-19 महामारी के दौरान निर्बाध शिक्षण और अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय का नेतृत्व किया।

प्रो. अली ने अंतिम उपयोगकर्ताओं को विश्वसनीय, कुशल, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाली बिजली वितरण सुनिश्चित करने में स्मार्ट ग्रिड में ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों के महत्व पर भी जोर दिया और इसमें एक विश्वविद्यालय में कुलपति की भूमिका को निर्धारित किया।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. मुन्ना खान ने अपने छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा चल रही शोध गतिविधियों और हाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

प्रो. इब्राहिम, डीन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय और एसटीटीपी के समन्वयक ने इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय की उल्लेखनीय विशेषताओं और उपलब्धियों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रो. इब्राहीम ने एसटीटीपी पर अपनी टिप्पणी में स्मार्ट ग्रिड की ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों में स्वचालित उत्पादन नियंत्रण की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंतिम उपयोगकर्ताओं को बिजली की आपूर्ति की बेहतर गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सुरक्षा के माध्यम से मानव आराम में वृद्धि के संदर्भ में स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन के सामाजिक प्रभाव पर जोर दिया।

राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल ने एसटीटीपी के प्रतिभागियों को अपने संबोधन में देश में तकनीकी संस्थान के रूप में जामिया की यात्रा और मान्यता प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के योगदान के लिए अपना प्यार और प्रशंसा व्यक्त की। । उन्होंने स्मार्ट ग्रिड में ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों पर जोर देने पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि प्रबंधन चाहे स्मार्ट ग्रिड में ऊर्जा प्रबंधन हो या विश्वविद्यालय जैसी किसी भी प्रणाली का प्रबंधन एक चुनौतीपूर्ण कार्य है और व्यक्ति को हमेशा सुखद विफलता के लिए तैयार रहना चाहिए। प्रो. केके अग्रवाल ने अंतःविषय दृष्टिकोण के महत्व से भी अवगत कराया क्योंकि यह एक जटिल समस्या के आउट-ऑफ-द-बॉक्स समाधान के अवसर प्रदान कर सकता है।

उद्घाटन समारोह की संयोजक प्रो. शाहिदा खातून ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कुलपति प्रो. नजमा अख्तर का प्रतिभागियों से परिचय कराया और स्मार्ट ग्रिड में आधुनिक नियंत्रण प्रणाली की भूमिका पर प्रकाश डाला|

उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने स्मार्ट गिड के इतने महत्वपूर्ण विषय पर एसटीटीपी के आयोजन में प्रो. इब्राहिम द्वारा किए गए प्रयासों की, और प्रो. इकबाल अली के शिक्षण और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सराहना की। . उन्होंने 2.5 मेगावाट क्षमता की रूफ-टॉप पीवी बिजली उत्पादन स्थापित करके स्थायी पर्यावरण की दिशा में जामिया द्वारा की गई पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने देश भर के विभिन्न प्रीमियम तकनीकी संस्थानों के 135 इंजीनियरिंग शिक्षकों, अनुसंधान विद्वानों और उद्योग के पेशेवरों के साथ-साथ 22 वक्ताओं की विविध भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कुलपति का यह भी विचार था कि एक स्थायी समाधान विकसित करने के लिए स्मार्ट ग्रिड की जरूरत के समान अंतःविषय दृष्टिकोण को अपनाया जाना चाहिए।

डॉ अरुणेश के सिंह, सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, जामिया द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया